**भूमिगत सेवा** ट्रायल रन के साथ ही स्टेशनों का निर्माण कार्य 90 फीसदी तक पूरा हुआ

# तैयार होने को है मेट्रो-3 का पहला फेज

■ **वसं, मुंबई:** मेट्रो-3 कॉरिडोर पर ट्रायल रन के साथ ही पहले फेज की पूरी तैयारी कर ली गई है। पहले फेज के तहत सिप्ज से बीकेसी के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। 12.22 किमी के रूट पर कुल 9 मेट्रो स्टेशन हैं। इस रूट पर आने वाले सभी स्टेशनों का निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। सरकार ने दिसंबर, 2023 से भूमिगत मेट्रो मार्ग पर सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) भी इस डेड लाइन तक सेवा शुरू करने की तैयारी में जुट गया है। वहीं, कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण चल रहा है। जून, 2024 से पूरे रूट पर सेवा शुरू करने का लक्ष्य है।

**94.1** फीसदी कार्य हुआ मेट्रो के सिप्ज स्टेशन का

**94.3** फीसदी कार्य हुआ एमआईडीसी स्टेशन का

**91.5** फीसदी कार्य हुआ मरोल नाका स्टेशन का

## 32 फीसदी कारशेड तैयार

आरे में कारशेड निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। एमएमआरसीएल के अनुसार, 32 प्रतिशत तक कारशेड बनकर तैयार हो चुका है। अगले साल तक पूरा कारशेड का निर्माण नही हो सकता है, इसलिए एमएमआरसीएल ने आरे से बीकेसी के बीच 9 रेक के साथ सेवा शुरू करने का फैसला लिया है। मेट्रो के 9 रेक के रख-रखाव और संचालन के लिए कारशेड में स्टेबलिंग लाइन व अन्य व्यवस्था करने का काम अप्रैल, 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

## 10 हजार किमी का ट्रायल जारी

आरे से सारिपुट नगर के बीच मेट्रो का ट्रायल रन चल रहा है। जांच के दौरान 10 हजार किमी तक मेट्रो दौड़ेगी। जून, 2023 में रेलवे सेफ्टी बोर्ड को रेलवे मार्ग की जांच के लिए आमंत्रित किया जाएगा। एमएमआरसीएल के अनुसार, पूरे कॉरीडोर का सिविल वर्क करीब 86.5 प्रतिशत पूरा हो चुका है। 38 प्रतिशत रूट पर ट्रैक बिछाया जा चुका है। पूरे रूट पर अब केवल एक ही टनल तैयार करने का काम शेष है, जो यह टनल भी अक्टूबर तक बनकर तैयार हो जाएगी।